वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376-252 150

कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन, जनपद - बागेश्वर

दिनांक- 07 अगस्त, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम पूर्वानुमान केंद्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली तथा मौसम केन्द्र देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के बागेश्वर जनपद में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है :-

मौसम पूर्वानुमान - बागेश्वर	**(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)**				
मानक मौसम सप्ताह 32	**08-08-2018** (07अगस्त सुबह 08:30 बजे से 08अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**09-08-2018** (08अगस्त सुबह 08:30 बजे से 09अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**10-08-2018** (09अगस्त सुबह 08:30 बजे से 10अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**11-08-2018** (10अगस्त सुबह 08:30 बजे से 11अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**12-08-2018** (11अगस्त सुबह 08:30 बजे से 12अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	अपेक्षाकृत भारी (45 मिमी.)	मध्यम (20 मिमी.)	मध्यम (25 मिमी.)	अपेक्षाकृत भारी (50 मिमी.)	अपेक्षाकृत भारी (55 मिमी.)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	26	27	27	26	26
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	18	18	17	16	16
आसमान में बादल आच्छादन **(ओक्टा: 0 से 8)** **शून्य ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान)** **8 ओकटा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)**	मुख्यतः बादल (7)	मुख्यतः बादल (6)	मुख्यतः बादल (6)	मुख्यतः बादल (7)	मुख्यतः बादल (7)
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	95	90	90	95	95
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	55	50	50	55	55
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	4	4	6	4	4
वायु की दिशा	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल (समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (01 से 07 अगस्त, 2018, सुबह 08:30 तक) आसमान में मुख्यतः बादल (5-8 ओक्टा) छाए रहने के साथ 110.6 मिमी. वर्षा दर्ज की गई| दिन का अधिकतम तापमान 19.1 से 23.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15.1 से 17.0 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 91 से 100 प्रतिशत तथा अपराह्न 14:16 बजे को 82 से 100 प्रतिशत के मध्य रही|हवा की औसत गति 0.7 से 4.7 किमी॰ प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण-पूर्व दिशा से चली|

सामान्यीकृत अंतर वानस्पतिक सूचनांक (Normalized Difference Vegetation Index) दिनांक 23 से 29 जुलाई, 2018 के आधार पर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि ओज की स्थिति औसत (NDVI value 0.25 to 0.4) है|

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
चेती धान, झंगोरा (असिंचित)	बाली बनने की प्रक्रिया	**धान (सिंचित)**	तना वृद्धि
मंडुवा, रामदाना	वानस्पतिक बढवार/फूल	**तोर, सोयाबीन, गहत, नौरंगी, उर्द, तिल आदि**	बढवार
लौकी, कददू, खीरा	फूल/फल	**बंद गोभी,**	बढ़वार/बंद बनना
हल्दी, अदरक	राईजोम/कंद वृद्धि	**टमाटर, शिमलामिर्च, तेज मिर्च, बैंगन आदि**	फूल/फल बनना
आलू	कंद बढ़वार/परिपक्वता	**सेब, अखरोट, माल्टा**	फल वृद्धि/परिपक्वता

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह:

- मध्यम से भारी बारिश की सम्भावना को देखते हुए किसानो को सलाह दी जाती है कि फसलों पर किसी भी प्रकार का छिडकाव फिलहाल टाल दें| वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखें|
- मंडुवा, धान, झंगोरा, दाल, रामदाना व सब्जी फसलों पर खेत व मेंढ़ से खरपतवार हटा दें|
- परिपक्व सब्जी फलों की शीघ्र तुड़ाई करें|
- सब्जी फसल में फल मक्खी से प्रभावित सब्जी फलों को तोडकर गहरे गड्डे में दबा दें| फल मक्खी से बचाव हेतू खेत में विभिन्न जगहो पर गुड़ या चीनी के साथ मैलाथियान कीटनाशक (Malathion10%) का घोल बनाकर छोटे कप या बरतन में रख दें ताकि फल मक्खी का नियंत्रण हो सके। कीट नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच, फेरोमैन ट्रैप का भी उपयोग कर सकते हैं|
- पौलीहाउस के अंदर शिमला मिर्च फसल पर फफूंदजनित झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेन्कोजेब 0.25% या रिडोमिल 0.2% को चिपकने वाले पदार्थ के साथ मिलाकर छिडकाव करें|
- आलू की खड़ी फसल में झुलसा रोग का प्रकोप हो तो सर्वप्रथम जमीन की सतह से पौधों को काट कर खेत के बाहर गड्डे में फफूंदनाशक मिलाकर दबा दें| जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें|
- रेशम पालन हेतु शहतूत पौध का रोपण जारी रखें|
- नींबू प्रजाति के वृक्ष की शाखायें ऊपर से सूख रही हैं तो इन शाखाओं को काट कर अलग कर दें और कटे भाग पर चौबटिया पेस्ट का लेप लगा दें|
- सेब की अगेती किस्म व नाशपाती के परिपक्व फलों की तुड़ाई कर विपणन /सुरक्षित भण्डारण करें| तुड़ाई के समय शाखा क्षतिग्रस्त न होने दें अन्यथा क्षतिग्रस्त भाग पर कैंकर रोग लग सकता है| वृक्षों के थालों में जल इकट्ठा न होने दें|
- वर्षाकालीन फल वृक्षों, बहुवर्षीय चारा वृक्षों, घास आदि का रोपण कार्य जारी रखें| बागान/खेतो के किसी एक भाग में वर्षा जल भण्डारण की व्यवस्था रखें|
- पशुशाला व पशुओं के खुरों की साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें| पशुओं को बांज की नई कोंपल खाने को न दें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना